डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ़ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी का पुरस्कार 2017 अर्पण समारोह सम्पन्न

चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन चित्रा मुद्गल द्वारा किया गया

चंद्रशेखर कंबार साहित्य अकादेमी के नए अध्यक्ष तथा माधव कौशिक उपाध्यक्ष चुने गए

नई दिल्ली। 12 फरवरी 2018। साहित्य अकादेमी द्वारा प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला साहित्योत्सव का शुभारंभ आज अकादेमी की वर्षभर की गतिविधियों की प्रदर्शनी के उद्घाटन से हुआ। प्रख्यात हिंदी कथाकार एवं विदुषी चित्रा मुद्गल ने पूर्वाह्न 10.00 बजे प्रदर्शनी का उद्घाटन रवींद्र भवन परिसर में किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ये दुनिया के सबसे बड़े प्रजातांत्रिक देश का सबसे बड़ा साहित्योत्सव है। कोई भी साहित्यकार देश में चल रही उथल–पुथल से अछूता नहीं रहता है। लेखक ही अपने सामाजिक सरोकारों को अपनी दृढ़ता और सृजनात्मक हस्तक्षेप के साथ प्राप्त कर पाता है। राजनीतिक क्षुद्रता को पोषित करने वाला लेखन लंबे समय तक नहीं ठहरता इसीलिए सरोकारी लेखक बनने के लिए साहित्यकारों को अपने निजी स्वार्थ से ऊपर उठना होगा।

आज के कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण साहित्य अकादेमी पुरस्कार अर्पण समारोह होता है जो आज कमानी सभागार में सायं 5.30 बजे आयोजित हुआ, जिसमें 23 भारतीय भाषाओं के वर्ष 2017 के विजेताओं को पुरस्कार नए अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार द्वारा प्रदान किए गए। पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि प्रख्यात लेखक एवं विद्वान किरन नागरकर थे। पुरस्कृत लेखकों को पुरस्कार स्वरूप अंगवस्त्रम, ताम्र फलक एवं एक लाख रुपए की राशि के चेक प्रदान किए गए।

इस अवसर पर अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए चंद्रशेखर कंबार ने कहा कि साहित्य अकादेमी की साहित्य जगत में एक विशिष्ट उपस्थिति है जिसका एक लंबा इतिहास है। देश का साहित्य विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं और उनमें विभिन्न प्रकार के लेखन से आकार लेता है। यह इस देश के साहित्य की विरासत है कि यहाँ पारंपरिक लेखन के बीज आज भी हमारे लेखन में पाए जा सकते हैं।

उपाध्यक्ष माधव कौशिक ने लेखकों को विशिष्ट व्यक्ति मानते हुए कहा कि वे ऐसा लेखन इसलिए कर पाते हैं क्योंकि प्रकृति उनको ऐसा कार्य करने के लिए चुनती है।

प्रख्यात लेखक और समारोह के मुख्य अतिथि किरन नागरकर ने इस अवसर पर कहा कि रचनात्मकता का केंद्रीय तत्व संवेदना है और विचारों से शब्दों में संवेदना को धार मिलती है। उन्होंने सृजनात्मकता की प्रक्रिया को भी रेखांकित किया। उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी तथा अकादेमी की गतिविधियों की सराहना की।

पुरस्कार अर्पण समारोह के बाद भागवत मेलम द्वारा कूचिपुड़ी नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने साहित्य अकादेमी की पूरी वर्ष की उपलब्धियों के बारें में विस्तार से बताते

हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को बधाई देते हुए कहा कि हमारे पूर्व अध्यक्ष विश्वनाथ प्रसाद तिवारी ने हमारे लिए अपने उत्कृष्ट कार्यकाल में ऐसा मानक निर्धारित किया है जो आने वाले समय में हमारा मार्गदशन करता रहेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अकादेमी की नई कार्यकारिणी भी अपनी क्षमतानुसार श्रेष्ठ कार्य करने का प्रयास करेगी।

आज पूर्वाह्न साहित्य अकादेमी के सामान्य परिषद् की बैठक के दौरान नए अध्यक्ष और नए उपाध्यक्ष तथा नए भाषायी परामर्श मंडल का भी चुनाव हुआ। अध्यक्ष के रूप में प्रख्यात कन्नड लेखक चंद्रशेखर कंबार को चुना गया। उपाध्यक्ष के लिए माधव कौशिक चुने गए। दिन में एक अन्य कार्यक्रम पुरस्कृत लेखकों के साथ हुआ। इसमें उपस्थिति पत्रकारों और पाठकों ने लेखकों से सवाल–जवाब किए। सभी लेखकों ने अपने लेखन के दौरान हुए अनुभव और अपनी लेखन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया।

इस साहित्योत्सव में देश के कोने–कोने से विभिन्न भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 250 लेखक और विद्वान विविध कार्यक्रमों में भागीदारी कर रहे हैं। आने वाले दिनों के सभी कार्यक्रम साहित्य अकादेमी परिसर, रवींद्र भवन, फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली में ही आयोजित किए जाएँगे।

(के. श्रीनिवासराव)